महिला महाविद्यालय, बहराइच

कार्यक्रम का नाम – महाविद्यालय पत्रिका "स्पंदन" का विमोचन समारोह।

दिनांक – 11/06/2026

आयोजन स्थल – महाविद्यालय सभागार

मुख्य अतिथि – प्रो. (डॉ) रविशंकर सिंह,

कुलपति, मां पाटेश्वरी विश्वविद्यालय, बलरामपुर

अध्यक्षता – श्री अक्षय त्रिपाठी, आईएएस

जिलाधिकारी, बहराइच/ अध्यक्ष, महिला महाविद्यालय, बहराइच

कार्यक्रम का उद्देश्य – महाविद्यालय की वार्षिक पत्रिका "स्पंदन" के माध्यम से छात्राओं की साहित्यिक, सृजनात्मक एवं बौद्धिक प्रतिभा की अभिव्यक्ति के लिए सार्थक मंच प्रदान करना तथा महाविद्यालय की साहित्यिक एवं शैक्षणिक संस्कृति को समृद्ध करना।

वक्तव्य – माननीय कुलपति प्रो. (डॉ) रविशंकर सिंह , जिलाधिकारी महोदय श्री अक्षय त्रिपाठी, प्राचार्या महोदया प्रो (डॉ) प्रिया मुखर्जी, पत्रिका की मुख्य संपादिका डॉ प्रियंका श्रीवास्तव

मंच संचालन – डॉ रीमा शुक्ला

धन्यवाद ज्ञापन – प्राचार्या प्रो (डॉ) प्रिया मुखर्जी

उपस्थिति – सचिव, महिला महाविद्यालय, प्रबंध समिति के सदस्य गण, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती सुधा टेकड़ीवाल।

कार्यक्रम का संक्षिप्त विवरण -

महिला महाविद्यालय, बहराइच में दिनांक 11 जून 2026 को महाविद्यालय की वार्षिक पत्रिका "स्पंदन" के विमोचन समारोह का भव्य आयोजन महाविद्यालय सभागार में संपन्न हुआ। यह आयोजन महाविद्यालय की साहित्यिक, शैक्षणिक एवं बौद्धिक परंपरा का एक महत्वपूर्ण अध्याय सिद्ध हुआ। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं में सृजनात्मक लेखन, साहित्यिक अभिरुचि, शोधपरक दृष्टिकोण तथा अभिव्यक्ति कौशल को प्रोत्साहित करना था। साथ ही महाविद्यालय की शैक्षिक, साहित्यिक, सांस्कृतिक एवं सहशैक्षिक उपलब्धियों को एक प्रामाणिक दस्तावेज़ के रूप में समाज के समक्ष प्रस्तुत करना था।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो. (डॉ.) रविशंकर सिंह, कुलपति, माँ पाटेश्वरी विश्वविद्यालय, बलरामपुर थे तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री अक्षय त्रिपाठी, आईएएस, जिलाधिकारी बहराइच एवं अध्यक्ष, महिला महाविद्यालय प्रबंध समिति ने की। विशिष्ट अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति ने समारोह को विशेष गौरव प्रदान किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन एवं माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण के साथ हुआ। तत्पश्चात अतिथियों का पुष्पगुच्छ एवं अंगवस्त्र भेंट कर आत्मीय स्वागत किया गया। स्वागत उद्बोधन में महाविद्यालय की प्राचार्या ने पत्रिका "स्पंदन" की संकल्पना, उद्देश्य एवं महत्त्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह पत्रिका छात्राओं की सृजनात्मक प्रतिभा, बौद्धिक क्षमता एवं साहित्यिक अभिव्यक्ति का सशक्त मंच होने के साथ-साथ महाविद्यालय की शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों का जीवंत दस्तावेज़ भी है।

इसके उपरांत मुख्य अतिथि एवं अध्यक्ष द्वारा महाविद्यालय की वार्षिक पत्रिका "स्पंदन" का विधिवत विमोचन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि प्रो. (डॉ.) रविशंकर सिंह ने अपने प्रेरणादायी उद्बोधन में कहा कि महाविद्यालयीन पत्रिकाएँ केवल रचनाओं का संकलन नहीं होतीं, बल्कि वे किसी शैक्षणिक संस्थान की वैचारिक चेतना, साहित्यिक संवेदना और सृजनशील संस्कृति

का दर्पण होती हैं। उन्होंने छात्राओं को सतत अध्ययन, लेखन, शोध एवं नवाचार की दिशा में सक्रिय रहने का आह्वान किया।

अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में श्री अक्षय त्रिपाठी, आईएएस ने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ साहित्य, संस्कृति और नैतिक मूल्यों के समन्वय की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने छात्राओं से ज्ञानार्जन के साथ सामाजिक उत्तरदायित्व, मानवीय संवेदनाओं एवं रचनात्मक चिंतन को अपने व्यक्तित्व का अभिन्न अंग बनाने का आह्वान किया तथा पत्रिका के सफल प्रकाशन के लिए संपादकीय मंडल एवं महाविद्यालय परिवार को बधाई दी।

कार्यक्रम में पत्रिका के संपादन एवं प्रकाशन में योगदान देने वाले सभी प्राध्यापकों, संपादकीय सदस्यों एवं छात्राओं के प्रयासों की सराहना की गई। अंत में प्राचार्या ने धन्यवाद ज्ञापित किया। राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का सफलतापूर्वक समापन हुआ।

"स्पंदन" का यह विमोचन समारोह महाविद्यालय की ज्ञानपरंपरा, साहित्यिक चेतना एवं सृजनशील संस्कृति का प्रभावी प्रतिबिंब बनकर उभरा। इस आयोजन ने छात्राओं में रचनात्मक लेखन, चिंतन और सृजन के प्रति नई ऊर्जा एवं प्रेरणा का संचार किया तथा महाविद्यालय की अकादमिक गरिमा को नई ऊंचाइयां प्रदान की।

जागरूकता कुलपति व डीएम ने छात्राओं को सृजनात्मकता और पर्यावरण संरक्षण के लिए किया प्रेरित

स्पंदन और अमृत उपवन का लोकार्पण, ज्ञान व हरित भविष्य का दिया संदेश

विश्ववार्ता संवाददाता

बहराइच। महिला महाविद्यालय में गुरुवार को शिक्षा, साहित्य और पर्यावरण संरक्षण के समन्वय का अद्भुत दृश्य देखने को मिला, जब महाविद्यालय की वार्षिक पत्रिका 'स्पंदन' तथा हरित परिसर विकास की महत्वाकांक्षी पहल 'अमृत उपवन' का लोकार्पण समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में शिक्षाविदों, प्रशासनिक अधिकारियों और छात्राओं ने सहभागिता करते हुए ज्ञान और प्रकृति संरक्षण के महत्व पर विचार साझा किए।

समारोह की अध्यक्षता बहराइच के जिलाधिकारी एवं महाविद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष अक्षय त्रिपाठी ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में माँ पाटेश्वरी विश्वविद्यालय, बलरामपुर के कुलपति प्रो. (डॉ.) रविशंकर सिंह उपस्थित रहे। दीप प्रज्ज्वलन और सरस्वती वंदना के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ।

मुख्य अतिथि प्रो. (डॉ.) रविशंकर सिंह ने कहा कि 'स्पंदन' छात्राओं की रचनात्मक अभिव्यक्ति का सशक्त मंच है, जो उनकी साहित्यिक प्रतिभा और सृजनात्मक सोच को नई दिशा प्रदान करता है। उन्होंने पत्रिका के नियमित प्रकाशन की सराहना करते हुए कहा कि ऐसी पहल विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। साथ ही उन्होंने 'अमृत उपवन' को पर्यावरण संरक्षण की दिशा में सराहनीय कदम बताते हुए अधिक से अधिक वृक्षारोपण और उनके संरक्षण का आह्वान किया।

अध्यक्षीय संबोधन में जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी ने छात्राओं से शिक्षा के साथ-साथ सामाजिक एवं पर्यावरणीय दायित्वों के प्रति जागरूक रहने की अपील की। उन्होंने महाविद्यालय में संचालित नवाचारों और हरित पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे प्रयास समाज में सकारात्मक परिवर्तन के वाहक बनते हैं। महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो. (डॉ.) प्रिया मुखर्जी ने अतिथियों का स्वागत करते हुए वार्षिक पत्रिका 'स्पंदन' के प्रकाशन और 'अमृत उपवन' की अवधारणा, उद्देश्य तथा महाविद्यालय की पर्यावरणीय प्रतिबद्धता पर विस्तार से प्रकाश डाला।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. रीमा शुक्ला ने किया, जबकि अंत में प्राचार्य ने सभी अतिथियों, शिक्षकों, कर्मचारियों और छात्राओं के प्रति आभार व्यक्त किया।

समारोह में प्रबंध समिति के सदस्य अशोक मातनहेलिया, आदर्श अग्रवाल, अजय अग्रवाल, मनीष मल्होत्रा, मनोज गुप्ता, श्रवण शुक्ल, नगर पालिका अध्यक्ष सुधा टेकरीवाल, पूर्व प्राचार्य मोहिनी गोयल, डॉ. दीपा वर्मा, पत्रकार बंधुओं, प्राध्यापकों, कर्मचारियों एवं बड़ी संख्या में छात्राओं की उपस्थिति रही। उत्साह और सकारात्मक ऊर्जा से परिपूर्ण यह आयोजन शिक्षा और पर्यावरण संरक्षण के प्रति सामूहिक संकल्प का प्रतीक बन गया।

महिला महाविद्यालय, बहराइच
स्पंदन
एवं अमृत उपवन
स्पंदन

NEWS BREAKING
कुलपति और डीएम ने किया 'स्पंदन' व 'अमृत उपवन' का लोकार्पण
TODAY 24 NEWS
बहराइच
संवाददाता संजय श्रीवास्तव
तेज हवा के साथ दिल्ली-एनसीआर में झमाझम बारिश
contact
वम ब्यूरो और रिपोर्टर बननें के लिए संपर्क करें MOB-8868889800,7599995428 एवम Faceb

प्राचार्या

प्रो. (डॉ.) प्रिया मुखर्जी

आई.क्यू.ए.सी.

समन्वयक